safbin
For Small Farmers Future

वर्षा आधारित क्षेत्र में अनुकूलित खेती पर प्रयोग

जीवामृत खाद

जीवामृत का घोल एक उर्वरक की तरह कार्य करता है जो फसल को पोषक तत्व प्रदान करता है और जमीन की उर्वरक शक्ति बढ़ाता हैं।

बनाने की विधी

- सभी सामग्री को एक मटके में मिलाऐं और सीधी चाल में १० मिनट तक अच्छे से घुमाऐं।
- घोल तैयार होने के बाद सूती कपड़े से मटके के मुँह को ढक कर रस्सी से कस कर बाँध दें।
- घोल को प्रतिदिन सुबह शाम सीधी चाल में सात से दस दिन तक घुमाऐं।

उपयोग

- एक ली. अर्क को १५ ली. पानी के अनुपात में मिलाकर जुताई के समय और फसल की प्रमुख अवस्थाओं में छिड़काव करें।
- प्रति एकड़ फसल के लिए ३ ली. अर्क को ४५ ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

Co-Financed by
European Union
Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by
Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners
AFPRO
Action For Food Production

CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org

© Caritas India@2015